PG/IIIS/HIN-304/13

M.A. 3rd Semester Examination, 2013

HINDI

PAPER—HIN-304

Full Marks : 40

Time : 2 hours

Answer **all** questions

The figures in the right-hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* के उत्तर दीजिए : 12 × 2

(क) 'आधे-अधूरे' में व्यक्त मध्यवर्गीय जीवन की विड़म्बना पर प्रकाश डालिए ।

(*Turn Over*)

(*ख*) "'अंधेर नगरी' भोग और लोभ का आख्यान है।" — इस कथन के आलोक में तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(*ग*) 'औरत' नाटक में स्त्री के व्यक्त संघर्षका विश्लेषण कीजिए।

(*घ*) 'स्कन्दगुप्त' नाटक के आधार पर प्रसाद की इतिहास–दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8 × 2

(*क*) मेरे पास अब बहुत साल नहीं हैं जीने को। पर जितने हैं, उन्हें मैं इसी तरह और निभाते हुए नहीं काटूँगी। मेरे करने से जो कुछ हो सकता था इस घर का, हो चुका आज तक। मेरी तरफ से यह अन्त है उसका — निश्चित अन्त !

(*ख*) भेड़िये से रहम की उम्मीद छोड़ दे।
अपनी इन सदियों पुरानी बेड़ियों को तोड़ दे।
आ चुका है वक्त अब इस पार या उस पार का
राज़ जाहिर हो चुका है असली जिम्मेदार का।

(*ग*) सेत सेत सब एक से, जहाँ कपूर कपास।
ऐसे देश कुदेश में, कबहुँ न कीजै बास॥
कोकिल वायस एक सम, पंडित मूरख एक।
इन्द्रायन दाड़िम विषम, जहाँ न नेकु विवेक॥

(घ) क्या जवाब दूँ बाबूजी ! जब कुर्सी–मेज बिकती हैं तब दुकानदार कुर्सी–मेज से कुछ नहीं पूछता, सिर्फ खरीदार को दिखला देता है ।